बी.एच.डी.ई.-144

बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी
स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.ए.जी.) & बी.ए.एच.डी.एच.
सत्रांत परीक्षा
जून, 2022

बी.एच.डी.ई.-144 : छायावाद

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है ।*

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर, बैठ शिला की शीतल छाँह,
एक पुरुष, भीगे नयनों से, देख रहा था प्रलय प्रवाह !
नीचे जल था, ऊपर हिम था, एक तरल था एक सघन,
एक तत्त्व की ही प्रधानता, कहो उसे जड़ या चेतन ।

(ख) मानस सागर के तट पर
क्यों लोल लहर की घातें ;
कल कल ध्वनि से हैं कहती
कुछ विस्मृत बीती बातें ।

(ग) मदिरा की वह नदी बहाती आती,
थके हुए जीवों को वह सस्नेह,
प्याला एक पिलाती ।
सुलाती उन्हें अंक पर अपने,
दिखलाती फिर विस्मृति के वह कितने मीठे सपने ।

(घ) छोड़ द्रुमों की मृदु छाया,
तोड़ प्रकृति से भी माया,
बाले ! तेरे बाल जाल में कैसे उलझा दूँ – लोचन ?
भूल अभी से इस जग को,
तज कर तरल तरंगों को,
इन्द्रधनुष के रंगों को,
तेरे भरू भ्रगों से कैसे बिंधवा दूँ निज मृग-सा मन ?

(ङ) सौरभ फैला विपुल धूप बन,
मृदुल मोम सा घुल रे मृदु तनय
दे प्रकाश का सिन्धु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु गल-गल !
पुलक-पुलक मेरे दीपक जल !

2. छायावाद की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उसके प्रारंभ को रेखांकित कीजिए । *16*

3. छायावाद के महत्त्व की चर्चा कीजिए । *16*

4. प्रसाद काव्य के प्रमुख स्वरों का परिचय दीजिए । *16*

5. निराला काव्य की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालिए । *16*

6. पंत के काव्य शिल्प का विश्लेषण कीजिए । *16*

7. महादेवी वर्मा के रचना विधान की विशेषताओं की चर्चा कीजिए । *16*

8. 'जागो फिर एक बार' कविता का विश्लेषण करते हुए उसका महत्त्व भी बताइए । *16*

9. 'भारतमाता' कविता का विश्लेषण और विवेचन कीजिए । *16*